http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 46

प्रयागराज गुरुवार 31 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

न्यूज

पूर्व राज्यपाल डॉ भाई महावीर को याद किया मोहन यादव ने

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पूर्व राज्यपाल डॉ भाई महावीर का आज उनकी जयंती पर स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया है। डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए कहा, "मध्यप्रदेश के पूर्व राज्यपाल भाई महावीर जी की जयंती पर सादर नमन करता हूं। आपका संपूर्ण जीवन राष्ट्र, विचारधारा एवं समाजसेवा के लिए समर्पित रहा, लोककल्याण के लिए किए गए आपके अथक प्रयास स्मरणीय हैं।" भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने भी डॉ भाई महावीर को जयंती पर याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं।

अनूपपुर में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मृत्यु, एक गम्भीर

अनूपपुर। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में एक गाँव में बाइक और डंबर की भिड़ंत में दो लोगों की मृत्यु हो गयी और एक व्यक्ति गंभीर रुप से घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजेन्द्रग्राम थाने के बसनिहा गाँव के पास एक बाइक और डम्पर की भिड़न्त हो गई। बाइक में सवार तीन लोग कल गंभीर रुप से घायल हो गए। सभी घायलों को राजेन्द्रग्राम अस्पताल पहुँचाया गया, जहां डॉक्टर्स ने पप्पू सिंह और करण सिंह को मृत घोषित कर दिया। लोचन सिंह को गम्भीर अवस्था में मेडिकल कॉलेज शहडोल भेज दिया गया है। घटना के बाद डम्पर चालक डम्पर छोड़कर फरार हो गया है।

पश्चिम चंपारणः हथियार के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

बेतिया। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र से अपराध की योजना बना रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) रजनीश कांत प्रियदर्शी ने बुधवार को यहां बताया कि मंगलवार की देर रात जगदीशपुर थानाध्यक्ष को सूचना प्राप्त हुयी थी कि एक व्यक्ति जमुनिया मठ के पास हथियार के साथ घूम रहा है तथा किसी आपराधिक वारदात को अंजाम दे सकता है। सूचना के आलोक में वरीय पदाधिकारी को सूचित करते हुए जगदीशपुर थानाध्यक्ष उक्त स्थान पर पहुंचे। पुलिस को देखकर वह व्यक्ति भागने लगा, जिसे सहयोगी पुलिसकर्मियों के सहयोग से पकड़ा गया।

तेलंगाना में बिजली गिरने के साथ आंधी आने के आसार

हैदराबाद। तेलंगाना के कई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अगले 24 घंटों के भीतर बिजली गिरने के साथ आंधी आने के आसार हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि प्रभावित जिलों में आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मनचेरियल, निजामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, सिद्दीपेट, यादाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल-मलकजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी शामिल हैं।

शुभकामना

दीपावली के शुभ अवसर पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

-सम्पादक

अवकाश

दीपावली एवं परेवा के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 03 नवम्बर को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

आयुष्मान भारत योजना एक बड़ा घोटाला: केजरीवाल

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप)के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना को बड़ा घोटाला करार देते हुए देशभर में दिल्ली की बेहतरीन स्वास्थ्य मॉडल को लागू करने की सलाह दी। श्री केजरीवाल ने आज कहा,"आयुष्मान भारत योजना के बारे में नियंत्रक–महालेखापरीक्षक(कैग) का कहना है कि इसमें बहुत सारे घोटाले हैं।आयुष्मान भारत योजना कहती है कि जब आप अस्पताल में भर्ती होंगे तब आपका पांच लाख तक का इलाज होगा, जबकि दिल्ली में हमारी योजना के तहत आपको सर्दी–जुकाम भी हो तो ओपीडी, आईपीडी में जाकर इजाल मुफ्त में करवा सकते हैं। आप भर्ती हो या न हो आपका सारा इलाज मुफ्त होता है। यहां कोई पांच लाख रुपए की सीमा नहीं है। जब यहां दवाइंया, टेस्ट, ओपीडी, आईपीडी, नियमित जाँच से लेकर सबकुछ मुफ्त है तो दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू करने का कोई मतलब नहीं रह जाता है।"

दीपोत्सव कार्यक्रम में बोले सीएम योगी...

अयोध्या गढ़ रहा है नया इतिहास

● सीएम योगी ने कहा आज दुनिया अयोध्या को मान रही है, ऐसा ही काशी–मथुरा में भी हो

अयोध्या,(एजेंसी)। योगी ने आगे कहा कि मैंने सभी से कहा कि भगवान राम जल्द ही हम सभी को आशीर्वाद देंगे, और हम सभी पीएम मोदी और उनकी दूरदर्शिता के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त, 2020 को जब पूरी दुनिया कोविड–19 से जूझ रही थी, तब पीएम ने अयोध्या का दौरा किया और राम मंदिर की आधारशिला रखी। अयोध्या में आज भव्य दिपोत्सव मनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में पर्यटन ऐप लॉन्च किया और अयोध्या के मेयर द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भगवान राम, लक्ष्मण और सीता की भूमिका निभाने वाले कलाकारों के माथे पर तिलक लगाया। इस दौरान योगी ने अपने संबोधन में कहा कि 8 साल पहले जब हम पहली बार दीपोत्सव मनाने आए थे, तो भीड़ में उत्साह

था और एक ही आवाज गूंज रही थी और एक ही नारा लग रहा था कि ष्योगी जी एक काम करो, मंदिर का निर्माण करोष्। मैंने उस समय कहा था कि विश्वास रखो, आज जो दीये आप जलाएंगे वो सिर्फ दीये नहीं हैं, वो सनातन धर्म की आस्था है। भगवान राम की कृपा अवश्य बरसेगी। योगी ने आगे कहा कि मैंने सभी से कहा कि भगवान राम जल्द ही हम सभी को आशीर्वाद देंगे, और हम सभी पीएम मोदी और उनकी दूरदर्शिता के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त, 2020 को जब पूरी दुनिया कोविड–19 से जूझ रही थी, तब पीएम ने अयोध्या का दौरा किया और राम मंदिर की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि यह वर्ष अयोध्या के लिए अद्भुत, अनुपम, अलौकिक है जब इस वर्ष 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करके एक बार फिर राम लला अपने धाम में विराजमान होकर दुनिया के सभी पीड़ितों को ये संदेश दे गए कि कभी भी अपने पथ से विचलित नहीं होना चाहिए।

संगम में श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्ज्वलित किया

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में भी दीपोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। संगम, बलुआ घाट में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें सैकड़ों की संख्या में नागरिकों ने मां गंगा और यमुना की आरती की और दीप प्रज्ज्वलित कर संगम तट को प्रकाशमान कर दिया। दीपावली से पूर्व दीपोत्सव पर बुधवार को प्रयागराजवासियों ने संगम तट पर एकत्रित हो कर मां गंगा की आरती की और दिये जलाकर संगम तट को प्रकाशमान कर दिया। सैकड़ों की संख्या में प्रयागराजवासियों ने प्रभु श्रीराम, गंगा मइय्या और सनातन धर्म की जय का उद्घोष किया। इसके साथ ही यमुना नदी के तट पर बलुआ घाट में भी यमुना आरती समिति के लोगों के साथ सैकड़ों लोगों ने दीप दान और घाटों पर दिये जला कर दीपोत्सव कार्यक्रम मनाया। साथ ही प्रयागराज के मंदिरों में छोटी दीपावली और हनुमान जयंती का पर्व का भी दीप प्रज्वलन के साथ मनाया गया। सामान्य तौर पर प्रयागराज में देव दीपावली का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, लेकिन सीएम योगी की पहल पर अयोध्या में ऐतिहासिक दीपोत्सव से प्रभावित होकर पूरे प्रदेश में गंगा और यमुना के तटों पर लोग जनसहभागिता से दीपोत्सव कार्यक्रम का उत्सव मनाते हैं। इसी क्रम में प्रयागराज में भी लोगों ने बड़ी संख्या में दीप प्रज्ज्वलित किए और गंगा आरती के साथ दीपदान कार्यक्रम में हिस्सा लिया। देव दीपावली पर भी यहां भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। यह कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आगामी दो माह के बाद प्रयागराज दुनिया के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ का साक्षी बनने जा रहा है। इसी संगम तट पर लाखों और करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं का जमावड़ा होगा, जो दीपोत्सव की तरह कई रिकॉर्ड स्थापित करेगा।

रेल कर्मियों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

नई दिल्ली। देश के पहले उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस पर मनाये जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस के आलोक में नई दिल्ली स्थित रेल भवन में राष्ट्रीय एकता शपथ समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। सभी ने सत्यनिष्ठा से शपथ ली कि वह राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करेंगे और देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करेंगे । अपने देश की एकता की भावना से शपथ लेते हुए सबने संकल्प लिया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों से वह प्रेरणा लेंगे और देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, सदस्य परिचालन एवं व्यवसाय विकास, सदस्य कर्षण एवं चल स्टॉक, महानिदेशक मानव संसाधन एवं सचिव रेलवे बोर्ड सहित बड़ी संख्या में रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

नीतीश ने 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों का किया लोकार्पण

पटना,(एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों का लोकार्पण किया। श्री कुमार ने बुधवार को यहां एक, अणे मार्ग से सड़क सुरक्षा एवं निर्बाध यातायात व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने वाहनों के लोकार्पण के पूर्व उसका निरीक्षण किया तथा उसकी कार्य प्रणाली के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि इन राष्ट्रीय राजमार्ग गश्ती वाहनों को इमरजेंसी रिस्पांस स्पोर्ट सिस्टम के डायल–112 से सम्बद्ध किया गया है ताकि आपातकालीन परिस्थिति में इन वाहनों को घटनास्थल पर अविलम्ब भेजा जा सके। साथ ही प्रभावी कार्रवाई के लिए इस पर लगे उपकरणों के माध्यम से वाहन अथवा नियंत्रण कक्ष से केन्द्रीकृत समाधान का प्रावधान किया गया है। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदशक आलोक राज।

एर्दोगन ने आतंकवादी खतरों को खत्म करने का संकल्प लिया

अंकारा,(एजेंसी)। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने आतंकवादी खतरों को उनके स्रोत पर ही खत्म करना जारी रखने की कसम खाई। जेंडरमेरी को टी625 गोकबे हेलीकॉप्टर सौंपने के लिए आयोजित एक समारोह में, एर्दोगन ने कहा कि चाहे वह हमारी सीमाओं के अंदर हो या बाहर, हमें अपने देश के खिलाफ किसी भी खतरे को खत्म करने से कोई नहीं रोक सकता। इस समारोह का आयोजन अंकारा के काहरमंकाजान जिले में तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (टीयूएसएएस) के मुख्यालय में किया गया, जहां दो हमलावरों ने पिछले सप्ताह एक आतंकवादी हमले में पांच लोगों को मार डाला थआ और 22 अन्य को घायल कर दिया था।

महाकुंभ डेडीकेटेड मोबाइल एप भी जल्द लांच करेगा रेलवे

प्रयागराज। सनातन आस्था का सबसे बड़ा आयोजन महाकुंभ 2025 बारह वर्षों बाद प्रयागराज में होने जा रहा है। महाकुंभ में करोड़ों की संख्या में श्रद्धालू ट्रेनों के जरिये प्रयागराज पहुचने वाले हैं। ऐसे में ट्रेनों के आवगमन के साथ–साथ रेल संबंधित अन्य जानकारियां प्राप्त करने के लिए श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना न करना पड़े, इसके लिए प्रयागराज मण्डल रेलवे ने पहली बार ट्रोल फ्री हेल्पलाइन जारी की है। ये हेल्पलाइन 1 नवंबर से सुचारू रूप से कार्य करना शुरू कर देगी। रेलवे की वेब साइट के अलावा रेल मण्डल महाकुंभ के लिए जल्द ही एक डेडीकेटेड मोबइल एप भी लांच करेगा। '9 रेलवे स्टेशनों से लगभग 992 ट्रेनों का संचालन' प्रयागराज में अयोजित होने जा रहे महाकुंभ को दिव्य भव्य नव्य बनाने में यूपी की योगी सरकार कोई कोर कसर बाकी नहीं रख रही है। यूपी में डबल इंजन सरकार के प्रयासों से प्रयागराज रेल मण्डल में भी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। रेल मण्डल महाकुंभ के लिए 9 रेलवे स्टेशनों से लगभग 992 ट्रेनों का संचालन करेगा। रेल मण्डल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को ट्रेनों के अवागमन के समय, संचालन स्टेशन, टिकट घर, आश्रय स्थल से लेकर अन्य सभी जानकारियां प्राप्त करने के लिए प्रयागराज रेल मण्डल ने टोल फ्री हेल्पलाइन 18004199139 जारी की है। रेलवे की हेल्पलाइन 1 नवंबर से सुचारू रूप से कार्य करेगी। 'महाकुंभ डेडीकेटेड मोबाइल एप भी जल्द होगा लांच' हेल्पलाइन के बारे में बताते हुए पीआरओ ने कहा कि प्रयागराज रेल मण्डल ने महाकुंभ को लेकर पहली बार टोल फ्री हेल्पलाइन जारी किया है। हेल्पलाईन में हिंदी, अंग्रेजी के अतिरिक्त देश की अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी जानकारियां उपलब्ध होंगी। इसके अलवा भारतीय रेलवे की वेबसाइट पर भी महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों और स्टेशनों संबंधित जानकारियां उपलब्ध रहेगी। साथ ही रेल मण्डल महाकुंभ को ध्यान में रखते हुए एक मोबइल एप भी जारी करने का प्रयास कर रहा है। जल्द ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महाकुंभ मोबइल एप भी कार्य करने लेगेगा। जिस पर महाकुंभ, प्रयागराज और रेलवे संबधी सभी जरूरी जानकारियां उपलब्ध होंगी।

भजनलाल की दीपावली, गोवर्धन, भाईदूज पर शुभकामनाएं

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली, गोवर्धन एवं भाईदूज के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुख–समृद्धि की कामना की है। श्री शर्मा ने कहा कि दीपों का यह पर्व अन्याय और शोषण के विरूद्ध न्याय एवं संघर्ष की विजय का उत्सव है। यह पर्व हमें सच्चाई एवं धर्म की राह पर चलने, विपदाओं से नहीं घबराने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे भगवान श्रीराम के महान आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर बेसहारा एवं अभावग्रस्त लोगों की मदद करने का संकल्प लें, जिससे कि सामाजिक समरसता की भावना मजबूत हो और देश–प्रदेश प्रगति के नए आयाम स्थापित कर सके। इससे पहले जारी एक वीडियो में श्री शर्मा ने प्रदेशवासियों को दिवाली की बधाई देते हुए आह्वान किया है। कि वे सब दीपक जलाकर राजस्थान को रोशन एवं उन्नत करें और आगे बढ़ाएं। श्री शर्मा ने कहा ष्एक दीपक आप जलाएं, एक दीपक मैं जलाऊं, एक दीपक सब जलाएं और हम हमारे राजस्थान को रोशन एवं उन्नत करें और आगे बढ़ाएं।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिये बनायी जाती है रंगोली

पटना,(एजेंसी)। दीपों के पर्व दीपावली के अवसर पर मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिये रंगोली बनाने की परंपरा रही है। दीपावली के अवसर पर घरों को अलग–अलग तरह से सजाया जाता है। कुछ लोग पूरे घर को दीयों से रौशन करते हैं तो कुछ इलेक्ट्रिक लाइटों से लेकिन जब तक घर को रंगोली से नहीं सजाया जाए कुछ अधूरा सा लगता है।माना जाता है कि बिना रंगों के हर खुशी अधूरी है, इसी वजह से देश में लगभग हर बड़े त्योहार पर रंगोली बनाने की परंपरा है। दीवाली पर लोग रंगोली को जरूर बनाते हैं क्योंकि ऐसा माना जाता है कि मां लक्ष्मी रंगोली से खुश होती हैं। कहा जाता है कि मां लक्ष्मी अपने कुमकुम लगे पैरों से वहीं प्रवेश करती हैं, जहां साफ–सफाई और

रचनात्मकता होती है और रंगोली उसी रचनात्मकता का प्रमाण है। कहा यह भी जाता है कि दीवाली के दिन रावण का वध करने के बाद जब श्रीराम अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों का वनवास काटकर अयोध्या वापस लौटे थे, तब अयोध्यावासियों ने उनका पूरे हर्षोल्लास से स्वागत किया था। लोगों ने अपने घरों की साफ–सफाई करके उन्हें स्वच्छ बनाकर रंगों तथा फूलों की मदद से रंगोली सजाई थी और घर को दीपक से सजाया था, इसलिए तब से ही दीपावली पर रंगोली और दीए जलाने का नियम बन गया है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अभिनेता दर्शन को छह सप्ताह के लिए जमानत दी

बेंगलुरु,(एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने लोकप्रिय कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा को छह सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत प्रदान की है। वह रेणुकास्वामी हत्या मामले में हिरासत में हैं। न्यायालय ने बुधवार को दर्शन को मैसूर के एक निजी अस्पताल में आवश्यक सर्जरी करवाने के लिए जमानत प्रदान की। इस मामले पर व्यापक सुनवाई करने के बाद न्यायमूर्ति एस विश्वजीत शेट्टी ने उनकी अंतरिम जमानत मंजूर कर ली। दर्शन ने नियमित जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट में अर्जी दी थी, जिसे उसने खारिज कर दिया था और अभी उच्च न्यायालय द्वारा अंतिम निर्णय लेना बाकी है। दर्शन की गिरफ्तारी 11 जून को हुई थी, जिसके बाद से वह बेल्लारी जेल में बंद हैं। उन पर 33 वर्षीय ऑटो–चालक रेणुकास्वामी पर हमला करने का आरोप है, जिसकी बाद में चोटों के कारण उसकी मौत हो गई थी। आरोपों में कहा गया है कि यह हमला रेणुकास्वामी द्वारा दर्शन की साथी पवित्रा गौड़ा के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई ।अपमानजनक पोस्ट से प्रेरित था। दर्शन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एस नागेश ने अदालत में मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत किया, जिसमें संकेत दिया गया।

कि दर्शन की रीढ़ की हड्डी और पैर की समस्याओं के लिए तत्काल सर्जरी की आवश्यकता है।

सम्पादकीय

बाल विवाह पर बड़ी अदालत का फैसला

सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को सख्त निर्देश देने से देश में बाल विवाह विरोधी अभियानों में अप्रत्याशित तेजी आने की उम्मीद बढ़ गई है। देश की सैकड़ों स्वयंसेवी संस्थाओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि बाल विवाह कानून को प्रभावी तरीके से लागू करने के अदालती निर्देश से देश से 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लक्ष्य को पूरी तरह सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बाल विवाह के कारण किसी को भी अपनी मर्जी से जीवन साथी चुनने के अधिकार का पूरी तरह से हनन होता है। बच्चों के इस अधिकार को सुनिश्चित करने में मौजूदा कानून में खामियां हैं, जिन्हें दूर करना जरूरी है। कोर्ट ने कहा है कि बाल विवाह से, खासकर लड़कियों के सामने ज्यादा मुसीबतें आ जाती हैं। शादी के बाद एक नाबालिग लड़की से बच्चों को जन्म देने और प्रजनन क्षमता साबित करने की उम्मीद की जाती है। बच्चे को जन्म देने के निर्णय लड़की से छीन लिए जाते हैं। एक बच्चे के रूप में विवाहित महिला की पसंद और स्वायत्तता का अधिकार बाल विवाह की प्रणाली द्वारा छीना जाता है। बाल विवाह करा कर नाबालिग लड़कियों को वैवाहिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करने से वे तनाव झेलने को मजबूर होती हैं। गैर–सरकारी संगठन सेवा (सेल्फ एम्प्लायड वीमेंस एसोसिएशन) और सामाजिक कार्यकर्ता निर्मल गोराना की याचिका पर आए इस फैसले का दो सौ से अधिक संस्थाओं के संगठन बाल विवाह मुक्त भारत ने स्वागत किया है। बाल विवाह मुक्त भारत से जुड़ी सोलापुर (महाराष्ट्र) की संस्था महात्मा फुले समाज सेवा मंडल के प्रमोद झिंझड़े के मुताबिक बाल विवाह मुक्त भारत देश के 400 से अधिक जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए सक्रिय है। इस गठबंधन से जुड़ी संस्थाओं ने 2023–24 में पूरे देश में 1,20,000 से भी ज्यादा बाल विवाह रुकवाए हैं और 50,000 बाल विवाह मुक्त गांव बनाए हैं। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने फैसले में कहा है कि श्बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए) 2006श के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सरकार व प्रशासन को बचाव–रोकथाम–अभियोजन रणनीति के साथ समुदाय आधारित दृष्टिकोण से काम करने की जरूरत है। अदालत ने स्कूलों, धार्मिक संस्थाओं और पंचायतों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता के प्रसार का अहम जरिया बताते हुए बाल विवाह बहुल इलाकों में राज्यों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की अनुशंसा के अनुरूप सेक्स एजुकेशन को स्कूली पाठ्यक्रम में जोड़ने की अनुशंसा की है। इस शिक्षा में लैंगिक समानता, प्रजनन स्वास्थ्य अधिकारों और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बाल विवाह के प्रभाव के कानूनी पहलुओं के बारे में स्पष्ट जानकारी शामिल होनी चाहिए। याचिका में कहा गया था कि देश में बाल विवाह की स्थिति गंभीर है और उसके खिलाफ बने कानून पर अमल नहीं करके उसकी मूल भावना से खिलवाड़ किया जा रहा है। इस पर फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि कानून तभी सफल हो सकता है जब बहुक्षेत्रीय समन्वय हो। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण की आवश्यकता है। हम एक बार फिर समुदाय आधारित दृष्टिकोण की जरूरत पर जोर देते हैं। बाल विवाह एक ऐसा अपराध है जिसने सारे देश को जकड़ रखा है और इसकी स्पष्ट व्याख्या के लिए सुप्रीम कोर्ट बधाई का पात्र है। साझा प्रयासों से बच्चों के लिए अहितकर बाल विवाह जैसी बुराइयों का पूरी तरह से खात्मा किया जा सकेगा। अभियान के संस्थापक भुवन ऋभु ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भारत और पूरी दुनिया के लिए नजीर बताते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक फैसला सांस्थानिक संकल्प को मजबूती देने की दिशा में निर्णायक साबित होगा। यह देश से बाल विवाह के समग्र उन्मूलन के लक्ष्य की प्राप्ति के मार्ग की बाधाओं को दूर करने में बहुत सहायक होगा। सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया है कि उसे बच्चों की परवाह है और अब समय आ गया है कि हम सभी आगे आएं और साथ मिलकर इस सामाजिक अपराध का खात्मा करें। ऋभु ने कहा, अगर हम अपने बच्चों की सुरक्षा करने में विफल हैं तो फिर जीवन में कोई भी काम मायने नहीं रखता। सुप्रीम कोर्ट ने एक समग्र दृष्टिकोण को मजबूती से अपनाने की जरूरत बताई है। बाल विवाह अपने मूल रूप में बच्चों से बलात्कार है। बाल विवाह मुक्त भारत से जुड़े संगठन इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक समग्र रणनीति श्पिकेटश पर अमल कर रहे हैं, जिसमें नीति, संस्थान, संम्मिलन, ज्ञान, परिवेश, तकनीक जैसी चीजें शामिल हैं। अभियान के तहत विभिन्न धार्मिक नेताओं और समुदायों के साझा प्रयासों से इस अपराध के खात्मे के लिए 4.90 करोड़ लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ भी दिलाई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश में कहा गया है कि सरकारें जिला स्तर पर श्चाइल्ड मैरिज प्रिवेंशन ऑफीसरश नियुक्त करें। इसके लिए कलेक्टर और एसपी भी जवाबदेह होंगे। उनके पास उन सभी व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने का अधिकार और जिम्मेदारी होगी जो बाल विवाह करवाने में मदद देते या उसे संपन्न करते हैं। अपने क्षेत्र में बाल विवाह के मामलों में जानबूझकर कर्तव्यों की उपेक्षा करने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाए। सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को बाल विवाह रोकने के लिए एक वार्षिक कार्य योजना विकसित करना चाहिए। व्यक्तिगत जवाबदेही तय करने और बाल विवाह रोकने के लिए राज्य हर 3 महीने में रिपोर्ट अपलोड करें। राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग और गृह मंत्रालय इसकी समीक्षा करें। अदालत के मुताबिक स्थानीय लोगों के साथ प्रभावी सामुदायिक सहभागिता तकनीक विकसित की जाए। राज्यों के गृह मंत्रालय स्पेशल जूविनाइल पुलिस यूनिट बनाने पर विचार करें। राज्य स्पेशल चाइल्ड मैरिज प्रोहिबिशन यूनिट बनाएं जिसमें पांच सामाजिक कार्यकर्ताओं, जिनमें दो महिलाएं जरूर हों, को रखा जाए। मजिस्ट्रेट स्वतरू संज्ञान लेकर निर्देश जारी कर सकेंगे। केंद्र राज्य सरकारों के साथ मिलकर ऐसे मामलों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएं। बाल विवाह मुक्त गांवों और ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त सर्टिफिकेट दिया जाए। सामुदायिक नेतृत्व को सक्रिय भूमिका के लिए प्रोत्साहित किया जाए। स्कूलों सहित धार्मिक संस्थाओं और पंचायत में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाए। स्थानीय भाषा में प्रभावी होर्डिंग्स और स्लोगन बनाए जाएं। स्कूलों, पंचायतों और सभी स्थानीय संस्थाओं को चाइल्ड लाइन 1098 और महिला हेल्पलाइन 181 की जानकारी दी जाए। बच्चों को बताया जाए कि कैसे मदद ली जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों को एक साल बाद स्टेटस रिपोर्ट देने को भी कहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों, सामाजिक संगठनों की सक्रियता के बीच यह बताना जरूरी है कि श्बाल विवाह निषेध संशोधन विधेयक 2021 को 21 दिसंबर 2021 को संसद में पेश किया गया था। विधेयक को शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी विभागों से संबंधित स्थाई समितियों को जांच के लिए भेजा गया था। विधेयक में संशोधन की मांग की गई थी, ताकि विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों पर प्रभाव को स्पष्ट रूप से बताया जा सके। यह विधेयक संसद के समक्ष अभी भी विचाराधीन है।

अंतरराष्ट्रीय सियासत : क्या भारत के प्रति चीनी रुख बदलने की वजह ट्रंप? US के पूर्व राष्ट्रपति को गंभीरता से...

शैलेश श्रीवास्तव

चार साल बाद जिस तरह चीन ने भारत को लेकर अपने रुख में बदलाव के संकेत दिए हैं, उसके पीछे कहीं डोनाल्ड ट्रंप की वापसी की संभावना तो काम नहीं कर रही ? कौन बनेगा अमेरिका का नया राष्ट्रपति, यह तो पांच नवंबर के बाद ही पता चलेगा, लेकिन अमेरिका के बाहर ट्रंप को लेकर आम सहमति दिख रही है।

बीजिंग में रात के आठ, नई दिल्ली में शाम के साढ़े पांच, रूस के कजान में दोपहर के तीन और वाशिंगटन डीसी में सुबह के आठ बज रहे थे। दुनिया भर के लोग दम साधे अपनी नजर टीवी स्क्रीन पर गड़ाए हुए थे, क्योंकि दुनिया की एक तिहाई आबादी वाले दो देशों के नेता इस क्षण आपस में मिल रहे थे। चीन की विस्तारवादी नीति के कारण पांच वर्षों तक चले विवाद के बाद पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच पहली बार द्विपक्षीय बैठक हुई। यह आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी कि यह समझौता लंबे समय तक चलेगा या नहीं, हालांकि दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त लगाने पर सहमति जताई है और तनाव कम करने की बात कही है। बड़ा सवाल यह है कि चीन के नजरिये में बदलाव की वजह क्या है, खासकर इसलिए कि यह समझौता चार साल से ज्यादा समय से खटाई में पड़ा हुआ था। इसका जवाब मौजूदा परिस्थितियों में निहित है। चीनी अर्थव्यवस्था में गिरावट के साथ–साथ ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने की संभावना भी बढ़ गई है। चीन के लिए ट्रंप 2.0 का जोखिम वास्तविक है। वर्ष 2021 में कोविड खत्म होने के बाद से चीन का सकल घरेलू उत्पाद 7.9 प्रतिशत को पार नहीं कर पाया है, जो वर्ष 2012 में शी जिनपिंग के सत्ता संभालने के वर्ष दर्ज किया गया था। आंकड़े बताते हैं कि इस साल के पहले नौ महीने में चीन की अर्थव्यवस्था 4.8 फीसदी की दर से बढ़ रही है और तीसरी तिमाही की विकास दर पिछली छह तिमाहियों में सबसे सुस्त है। बुजुर्ग होती आबादी, बचत में कमी और रियल एस्टेट की बदहाली ने खपत और युवा रोजगार को प्रभावित किया है। इस हफ्ते 32 लाख चीनी युवाओं ने 39,700 सरकारी पदों के लिए आवेदन किया है। उम्मीदें देश की विनिर्माण क्षमता पर टिकी हैं, जो इसकी जीडीपी में एक चौथाई का योगदान करती है। लेकिन इसका फायदा उठाने के लिए चीन को बाजार की जरूरत है।

वर्ष 2023–24 में चीन से भारत के आयात का बिल 101 अरब डॉलर था। ट्रंप ने शिकागो इकनॉमिक क्लब में कहा कि शब्दकोश में सबसे खूबसूरत शब्द है 'टैरिफ'। उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार का लाभ उठाने और सभी अमेरिकी आयातों पर 10–20 प्रतिशत टैरिफ लगाने और सभी चीनी आयातों पर 60 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना बनाई है। वर्ष 2023 में, अमेरिकी आयात का कुल मूल्य 33.5 खरब डॉलर था, जिसमें से चीन का हिस्सा 47 अरब प्रति माह या लगभग 550 अरब डॉलर था। चीन पहले से ही भारी टैरिफ का सामना कर रहा है, और निवेश पर निगरानी व अमेरिका के दोनों दलों की मजबूत नाराजगी तथा पीड़ा का निशाना बना हुआ है।

चीन द्वारा बाजारों पर कब्जा करने के लिए निवेश और फैक्टरियों को स्थानांतरित करने का छद्म तरीका अब कोई रहस्य नहीं रहा है। अमेरिका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के रूप में मेक्सिको के उदय ने उसके दक्षिणी पड़ोसी की निगरानी बढ़ा दी है, जिसने चीनी कंपनियों तक से निवेश आकर्षित किया है। ट्रंप ने मेक्सिको में बनी कार पर 200 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है, हालांकि अमेरिका पहले से ही मेक्सिको से ऑटोमोटिव आयात की समीक्षा कर रहा है। टैरिफ का शिकंजा कसने के मामले में ट्रंप ने किसी को नहीं बख्शा है। उसने भारत को 'सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाला' बताकर पारस्परिक कार्रवाई की कसम खाई है और जापानी निप्पॉन स्टील द्वारा यूएस स्टील के अधिग्रहण को रोकने का संकल्प लिया है। ट्रंप ने 'यूरोपीय संघ' से भी टैरिफ के लिए तैयार रहने को कहा है, जिसने वर्ष 2023 में अमेरिकी आयात में 542 अरब डॉलर का योगदान दिया। जैसा कि अनुमान था, इसने पूरे यूरोप में हलचल मचा दी, विशेष रूप से जर्मनी और फ्रांस में। ट्रंप ने शिकागो में आलोचना, थिंक टैंकों के अध्ययनों और विश्व अर्थव्यवस्था में संकुचन की आईएमएफ की चेतावनियों को बड़ी ही बेबाकी से खारिज कर दिया है। ट्रंप की संभावित वापसी के चलते जोखिमों से बचने के लिए विभिन्न देशों ने व्यापार–संतुलन एवं पूर्व–निवारक कदमों की खोज शुरू कर दी है। पिछले महीने राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के लिए ट्रंप की योजनाओं को समझने की खातिर समय मांगा था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी अमेरिका और ब्रिटेन के बीच विशेष संबंधों को रेखांकित करने के लिए उनसे मिलना चाहते थे, जो सफल नहीं हुआ, क्योंकि ट्रंप की टीम ने स्टार्मर की लेबर पार्टी के खिलाफ एक असाधारण शिकायत दर्ज करके अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में 'हस्तक्षेप' का आरोप लगाया है। इस सप्ताह जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली में थे। ताइवान के अस्तित्व का सवाल चीन के युद्ध अभ्यास के बाद सामने आया है, जिसे ताइवान के इर्द–गिर्द 'अजगर रणनीति' बताया गया है। इसके जवाब में अमेरिका ने ताइवान के जलडमरूमध्य में एक युद्धपोत भेजा, जबकि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने चेतावनी दी कि अगर ट्रंप जीतते हैं, तो संभवतः ताइवान खत्म हो सकता है, जो दर्शाता है कि चीन अगर आगे बढ़ता है, तो ताइवान को खुद की देखभाल करने के लिए छोड़ दिया जाएगा। ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति चुने जाने की संभावना ने जोखिम उठाने को भी बढ़ावा दिया है। कुछ रिपोर्टों में बताया गया है कि रूस ने यूक्रेन में लड़ने के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों को शामिल किया है, हालांकि इनकी निर्णायक रूप से न तो पुष्टि हो पाई है और न खारिज किया गया है। पश्चिम एशिया और यूरोप में यह साफ है कि शांति और शांति की रूपरेखा तैयार करने के लिए अगले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का इंतजार किया जा रहा है। युद्धरत देश ट्रंप की वापसी पर दांव लगा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का नतीजा पांच नवंबर के बाद ही पता चलेगा। इस हफ्ते सीएनएन ने एक सर्वेक्षण में पाया गया कि अंतिम चरण में लड़ाई बराबरी पर है, ज्यादातर सर्वेक्षणों में पाया गया कि टक्कर कांटे की है। चाहे जो भी कारण हो, अमेरिका के बाहर ट्रंप को लेकर आम सहमति है। वर्ष 2016 में चर्चा थी कि ट्रंप को वास्तविक रूप से लिया जाना चाहिए या गंभीरता से, लेकिन इस वर्ष ऐसा लग रहा है कि ट्रंप को वास्तविक और गंभीरता, दोनों रूप से लिया जा रहा है।

यूएन महिला संगठन की सराहना उत्साहित करने वाली, लेकिन सिर्फ नीतियां नाकाफी, समाज को बदलनी होगी सोच

❍ भारत में लैंगिक समानता की दिशा में हो रही प्रगति की जिस तरह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महिला संगठन ने प्रशंसा की है, वह निस्संदेह उत्साहित करने वाली है। लेकिन लैंगिक समानता के आदर्श को पाने के लिए सिर्फ नीतियां ही काफी नहीं, समाज को अपनी सोच भी बदलनी होगी।

हसीन आलम

लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में कार्यरत संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएन वूमेन के पदाधिकारियों का हाल ही में भारत में लैंगिक समानता की दिशा में हो रही प्रगति की सराहना करना उत्साहित करने वाला तो खैर है ही, इससे पिछले कुछ वर्षों में देश में महिलाओं की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक बेहतरी के लिए उठाए गए कदमों से आ रहे सकारात्मक बदलावों की भी पुष्टि होती है।

पितृसत्तात्मक सोच रही हावी

हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के महिला संगठन के पदाधिकारियों का यह भी कहना है कि सामाजिक मान्यताओं व सुरक्षा से जुड़े मुद्दे अब भी बाधा बने हुए हैं, जिससे आगे की मुश्किल चुनौतियों के संकेत भी मिलते हैं। दरअसल, पितृसत्तात्मक सामाजिक मान्यताओं और रूढ़िवादी सोच के चलते देश में लैंगिक समानता पूरी तरह से स्थापित नहीं हो सकी है। बावजूद इसके कि शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, देश के कई हिस्सों में आज भी महिलाओं को केवल घरेलू कार्यों तक सीमित करते हुए उनके पेशेवर जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बाधित किया जाता है।

सुरक्षा आज भी बड़ा सवाल

इसके अतिरिक्त, उनकी सुरक्षा का मुद्दा भी एक बड़ा सवाल है। रात के वक्त बाहर निकलने की स्वतंत्रता और सार्वजनिक परिवहन व कार्यस्थल में सुरक्षा के मुद्दों पर देश को अभी लंबा सफर तय करना है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की लैंगिक समानता पर ताजा रिपोर्ट में शिक्षा व राजनीतिक सशक्तीकरण जैसे क्षेत्रों में कुछ सुधार के बावजूद दुनिया भर के देशों में भारत का नेपाल व भूटान जैसे पड़ोसी देशों से भी नीचे होना कई चुनौतियों को दर्शाता है। हालांकि यूएन वूमेन की यह स्वीकारोक्ति महत्वपूर्ण है कि भारत में लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण संबंधी नीतियों पर भारी निवेश किया जा रहा है, जिसके नतीजे भी दिख रहे हैं। देश में महिला श्रम की भागीदारी करीब 37 फीसदी हो गई है।

सदन में महिला आरक्षण निभाएगी अहम भूमिका

महिलाओं का पंचायतों व नगरीय निकायों में प्रतिनिधित्व बढ़ा है। तैंतीस फीसदी महिला आरक्षण लागू होने के बाद केंद्रीय शासन में भी महिलाओं की स्थिति बेहतर होगी। हाल के कुछ वर्षों में देश में जेंडर बजट के विचार को अपनाया गया है और महिला केंद्रित कार्यक्रमों के लिए बजट को बढ़ाया गया है।

इसके अतिरिक्त बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर योजना, महिला हेल्पलाइन और महिला शक्ति जैसी योजनाओं के जरिये महिला सशक्तीकरण के प्रयास किए गए हैं।

बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जा रही है नियंत्रण रेखा पर भारत-चीन समझौते की सफलता

हालांकि पूर्वी लद्दाख में डेमचोक और देपसांग क्षेत्रों में संघर्ष और टकराव को लेकर भारत और चीन के बीच गतिरोध कम हो गया है, लेकिन तनाव पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। 22–24 अक्टूबर को रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से कुछ घंटे पहले जल्दबाजी में घोषित किये गये समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बजाय अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को अधिक आकर्षित करना था। इस समझौते को द्विपक्षीय तनाव कम करने की तुलना में अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में अधिक देखा जाना चाहिए। भारत और चीन के बीच कुछ धूमधाम से घोषित किया गया समझौता सीमा विवाद को वास्तव में कम करने की तुलना में दिखावे के लिए अधिक है। यह रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संदर्भ में था, जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक के दौरान होने वाली सहमति के लिए आधार तैयार करना था। चीन का अतीत का ट्रैक रिकॉर्ड पिछली प्रतिबद्धताओं को अनदेखा करने का रहा है। चीन ने चीज स्लाइसिंग की रणनीति अपनाई है, यानी छोटे क्षेत्रों पर कब्जा करके फिर से आगे बढ़ जाना। कई क्षेत्रों में, चीन ने भारतीय क्षेत्रों पर दावा किया है और यहां तक कि बड़े पैमाने पर गांव भी बसाये हैं। उनमें से किसी भी संघर्ष का पूर्ण समाधान नहीं हुआ है या उस पर समुचित ध्यान भी नहीं दिया गया है। मौजूदा समझौते में अंतरराष्ट्रीय सीमा के केवल एक छोटे से हिस्से को संबोधित किया गया है, जहां दोनों देशों के बीच झड़पें हुई थीं, जिसके परिणामस्वरूप 20 भारतीय सैनिक मारे गये थे। कई अन्य क्षेत्रों में, चीनी घुसपैठ का समाधान नहीं किया गया है। दोनों पक्षों द्वारा भारी संख्या में सैनिकों और वाहनों, और अन्य सैन्य उपकरणों और बंदूकों को इकट्ठा करने के अलावा, एक और संघर्ष का तत्काल खतरा कम हो गया है। भारत को चीन से निपटने के लिए कई कदम उठाने होंगे। जब चीन की अर्थव्यवस्था गंभीर रूप से गिर रही थी और कुछ क्षेत्रों में उसके उद्योग सिकुड़ रहे थे, तब भारत द्वारा चीनी व्यवसायों और भारत में निवेश के खिलाफ उठाये गये कदमों ने उसके हितों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया था। समग्र मजबूरियों का आकलन करने के लिए पूरे कदमों और जवाबी कदमों के संदर्भ को ध्यान में रखना होगा। अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित प्रमुख पश्चिमी देशों द्वारा चीन के निर्यात को रोका जा रहा था। यूरोपीय संघ के बाजारों में उच्च टैरिफ बाधाओं के साथ चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों को बाहर रखने की कोशिश की जा रही थी। अमेरिका चीनी ईवी निर्माताओं के खिलाफ नये कदम उठा रहा था। चीन के पास दुनिया भर में अपने ईवी को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा दांव है। इसके अलावा, अमेरिका ने चीन को महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और वस्तुओं के हस्तांतरण के खिलाफ पूरी तरह से नाकाबंदी लगा दी है, जिसने कई मायनों में चीनी उद्योगों को पंगु बना दिया है। अमेरिका ने चीन को उच्च अंत औद्योगिक चिप्स की आपूर्ति से बाहर रखा है और यह कम से कम फिलहाल चीनी उद्योगों को नुकसान पहुंचा रहा है। चीन स्टील का सबसे बड़ा उत्पादक है और यह दुनिया भर में अपना स्टील डंप कर रहा है। तथ्य यह है कि चीन में हर साल उत्पादित होने वाले स्टील की भारी मात्रा को अवशोषित करने की क्षमता नहीं है। कई विकसित देश अपने घरेलू स्टील बाजारों से चीन को बाहर करना चाहते हैं। चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति को छिपाने के लिए कई महत्वपूर्ण जानकारी जारी करना बंद कर दिया है। उदाहरण के लिए, चीन के सांख्यिकी ब्यूरो ने युवाओं की बेरोजगारी के आंकड़े देना बंद कर दिया है, ताकि युवाओं की बड़ी बेरोजगारी को छिपाया जा सके। यह एक ऐसी नीति को आगे बढ़ाने का आदर्श समय था जो संबंधों को सामान्य बनाने की किसी भी प्रक्रिया के लिए चीन को वास्तव में कड़ी चोट पहुंचा सकती थी। भारत को चीन से बड़ी रियायतों के लिए काम करना चाहिए था। यह हमारा समय था क्योंकि आर्थिक रूप से भारत अब तक चीन की तुलना में कहीं बेहतर स्थिति में था। इसके अलावा, दक्षिण चीन सागर और ताइवान पर अपने कदमों को लेकर चीन को पश्चिमी ताकतों के गठबंधन का सामना करना पड़ रहा है। दक्षिण चीन सागर के आसपास कोई भी तटीय देश चीन के साथ नहीं है। फिलीपींस से लेकर मलेशिया तक के साथ उसके विवाद हैं। कुछ मायनों में, दक्षिण–पूर्व एशिया के कई देश चीन को संदेह की दृष्टि से देख रहे हैं। लेकिन चीन और भारत दोनों के पास दिखावे के लिए मजबूरियां थीं। सिख आतंकवादी की हत्या में कथित संलिप्तता को लेकर भारत को पश्चिम द्वारा घेरा जा रहा था, जिसका नेतृत्व केनेडा और आंशिक रूप से अमेरिका कर रहा था। चीन को कई मोर्चों पर अमेरिका से भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बढ़कर, कजान बैठक के मेजबान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में युद्ध के लिए पश्चिमी देशों के संयुक्त मोर्चे के खिलाफ ताकत दिखाने की कोशिश की। सऊदी अरब, मिस्र और ईरान के साथ–साथ दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देशों की ब्रिक्स बैठक, रूस को अलग–थलग करने में संयुक्त पश्चिमी ब्लॉक की विफलता का प्रदर्शन है। इन देशों के बीच आंतरिक तनाव हैं और उनकी प्राथमिकताएं अलग–अलग हैं। हालांकि, ये सभी देश पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद अपने संचालन के दायरे को दिखाते हुए रूस के हाथों खेल रहे थे। यह अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन की संयुक्त ताकत के खिलाफ व्लादिमीर पुतिन का सबसे अच्छा हेरफेर था। भारत को विवादित क्षेत्रों पर चीन के अनुवर्ती कदमों पर बारीकी से नजर रखनी होगी। सीमावर्ती क्षेत्रों में भारत के संबंध में चीन की नीति दो कदम आगे और एक कदम पीछे की है। विवादित क्षेत्रों से चीन की सैन्य उपस्थिति को वापस लेने को भारत की जीत के रूप में दिखाया जा रहा है, जबकि इस तथ्य को छिपाया जा रहा है कि कुछ नये क्षेत्र चीन के नियंत्रण में रह गये हैं। भारत को अपनी जमीन वापस लेने के लिए दृढ़ रहना चाहिए।

पांच घटे में 30 हजार श्रद्धालुओं ने किए भगवान धन्वंतरि के दर्शन, लिया आशीर्वाद

वाराणसी। भगवान विष्णु के अवतार एवं आरोग्य के देवता भगवान धन्वंतरि का जन्मोत्सव मंगलवार को मनाया गया। सुड़िया स्थित राजवैद्य स्व. पं. शिव कुमार शास्त्री के धन्वंतरि निवास पर भगवान ध न्वंतरि के दर्शन–पूजन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। पांच घंटे में 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने 325 वर्ष प्राचीन अष्टध ातु की मूर्ति का दर्शन पूजन कर आशीर्वाद लिया। मंगलवार को ध न्वंतरि निवास के श्री धन्वंतरि ध र्मामृत औषधालय मंदिर में स्थापित भगवान धन्वंतरि के अष्टधातु की मूर्ति को दोपहर में शास्त्रोचित विधि ा से स्नान कराकर चांदी के सिंहासन पर विराजमान कराया गया। भगवान धन्वंतरि के एक हाथ में अमृत कलश, दूसरे में चक्र, तीसरे में शंख और चौथे हाथ में जोंक के साथ दिव्य आभा की चमक बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। भगवान का शृंगार आयुर्वेदिक औषधियों जैसे केसर, कस्तूरी, अंबर, अश्वगंधा, शंखपुष्पी, मूसली सहित स्वर्ण, हीरे, माणिक, पन्ना से किया गया था। मंदिर प्रांगण में शहनाई की मंगल ध्वनि के साथ पांच ब्राह्मणों ने विधि विध ान से पूजन–अर्चन कराया। राजवैद्य परिवार से पं. रामकुमार शास्त्री, पं. नंद कुमार शास्त्री, पं. समीर कुमार शास्त्री, उत्पल शास्त्री, आदित्य विक्रम शास्त्री, मिहिर विक्रम शास्त्री व कोमल शास्त्री ने भगवान को भोग लगाकर आरती की। उन्होंने सभी के लिए मंगलकामना एवं आरोग्य, सुख व समृद्धि का आशीर्वाद लिया। शाम ठीक पांच बजे मंदिर के पट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। रात 10 बजे तक देश–विदेश के 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान ध न्वंतरि के दर्शन कर आरोग्य अमृतरस रूपी प्रसाद ग्रहण किया।

बैंक से पैसा निकालने गई वृद्ध महिला की मौत

सकलडीहा। यूनियन बैंक पौनी शाखा से पैसे मिलने में देरी होने से तबीयत बिगड़ने से महिला की मौत हो गई। परिवार वालों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। स्थानीय कोतवाली के बिजौरा गांव निवासी महिला गुलाबी देवी (65) मंगलवार को यूनियन बैंक पौनी से अपने खाते में जमा 65 हजार रुपये निकालने के लिए गई हुई थी। पैसा मिलने में देरी होने पर महिला अपने घर चली गई। यहां हार्ट अटैक होने से मौत हो गई। इसके बाद परिजन चारपाई में लेकर महिला के शव को बैंक ले गए और मैनेजर से पैसे की मांग करने लगे। मैनेजर के लिखा पढ़ी के बाद 25 हजार रुपए दिए गए। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने का प्रयास किया लेकिन परिजन देने से इनकार कर दिए। पंचायत नामा के दाह संस्कार के लिए ले गए। इस संबंध में थानाध यक्ष संजय सिंह ने बताया कि महिला की मौत बैंक के बाहर हुई है। परिजन शव को दाह संस्कार के लिए ले गए।

हर गांव में अगले चार महीने तक शाखा लगाने की तैयारी में संघ, ऐसे मजबूत करेगा OBC और दलितों में पैठ

वाराणसी। मार्च तक काशी के गांव–गांव में शाखा लगाने का लक्ष्य स्वयंसेवकों को मिल गया है। संघ के विचारों को सभी धर्म संप्रदायों के बीच रखा जाएगा। साथ ही सहभोज कार्यक्रमों के जरिये पिछड़े और दलितों में भी संघ अपनी पैठ मजबूत करेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2025 में अपना शताब्दी वर्ष पूरा कर रहा है। इसी के तहत सारे कार्यक्रमों की तैयारियां चल रही हैं। मथुरा में हुए संघ के वर्ग से स्वयंसेवकों को अगले चार महीने का प्लान मिल गया है। इसमें गांव–गांव तक शाखा पहुंचाने को प्रमुखता से रखा गया है। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि इसी के साथ पहले से चल रहे कार्यक्रम सहभोज को तेजी के साथ आगे बढ़ाने को कहा गया है। इसके अलावा एक जलाशय, एक देवालय और एक श्मशान की विचारधारा को लोगों के बीच पहुंचाने को कहा गया है। मथुरा में हुए कार्यक्रम में संघ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे के बयान का समर्थन किया था। इन सभी कार्यक्रमों के भी सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। विपक्ष के पीडीए के काट के रूप में संघ ग्रामीण क्षेत्रों में हिंदू एकता को बल देना चाहता है। ताकि भविष्य में लोग जातियों में बंटकर वोट न करें।

समय से अभिलेखों को न जमा करने पर संस्थाएं स्वयं होंगी उत्तरदायी

मऊ। शिक्षण संस्थानों का मास्टर डाटा समस्त स्तर से सत्यापित और लॉक होने के बाद ही संस्था आवेदन करने वाले छात्रों का आवेदन अग्रसारित कर सकेगी। यह जानकारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी साहित्य निकष सिंह और जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रश्मि मिश्रा ने दी। बताया कि समय से अभिलेखों को न जमा करने पर संस्थाएं स्वयं उत्तरदायी होंगी। दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत जारी समय सारणी के अनुसार प्रदेश के अंदर विश्वविद्यालयध्एफिलिएटिंग एजेंसी के नोडल अधिकारी की तरफ से शिक्षण संस्थान की मान्यता, पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का प्रकार, सीटों की संख्या एवं फीस आदि को ऑनलाइन पोर्टल पर अंकित, सत्यापित कर डिजिटल हस्ताक्षर से ऑनलाइन लॉक किया जाएगा। इसके बाद जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के स्तर से मास्टर डाटा को सत्यापित करेंगे।

दो महीने से प्लेटलेट्स और प्लाज्मा की सुविधा का इंतजार

चंदौली। पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला अस्पताल में लाखों की लागत से सारे उपकरण और मशीनें आने के बाद भी ब्लड कंपोनेंट यूनिट चालू नहीं हो सकी है। करीब दो महीने से इसके संचालन का इंतजार किया जा रहा है। ऐसे में तीमारदारों को प्लेटलेट और प्लाज्मा दूसरे जिलों की दौड़ लगानी पड़ती है। मुख्यालय पंडित कमलापति त्रिपाठी अस्पताल में करीब दो महीने पहले ब्लड कंपोनेंट यूनिट के संचालन की तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। इससे लोगों में उम्मीद जगी थी कि अब उन्हें प्लेटलेट और प्लाज्मा के लिए वाराणसी समेत दूसरे जिलों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से अभी तक इसका संचालन शुरू नहीं हो सका। अस्पताल में रोज 15 से 20 मरीज ऐसे आते हैं, जिन्हें प्लेटलेट की जरूरत होती है।

64.75 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आरओबी का नक्शा तैयार

मऊ। इंदारा जंक्शन के दक्षिणी आउटर पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण जल्द ही पूरा होगा। पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के अभियंताओं ने रेल मंत्रालय से स्वीकृत 64.75 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आरओबी की जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग (जीएडी) यानी नक्शा तैयार कर लिया है। जल्द ही टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर निर्माण शुरू करने की तैयारी चल रही है। आरओबी बनने से मधुबन, घोसी, सदर तहसील के 15 लाख आबादी को लाभ मिलेगा। जिले के मऊ–मधुबन शहीद मार्ग पर रेलवे क्रासिंग संख्या स्पेशल 4–सी से 35 ट्रेनें गुजरती हैं। इस वजह से 20 से 25 बार फाटक बंद होता है। जिससे लोगों को समय बर्बाद होता है। कई बार एंबुलेंस भी फंस जाती हैं। ओवरब्रिज बनाए जाने की मांग करीब 25 साल से की जा रही है। लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने पहल की। उनके प्रस्ताव को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इंदारा में रेलवे ओवरब्रिज बनाए जाने की स्वीकृति 11 फरवरी 2024 को ही दे दी थी। 28 फरवरी को वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री ने इस आरओबी का शिलान्यास भी किया था। ओवरब्रिज का नक्शा भी तैयार हो चुका है। अप्रोच सहित पुल की लंबाई 700 मीटर है। जल्द टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी चल रही है। ओवरब्रिज बनने से लोगों को जाम की समस्या से निजात मिलेगी। वहीं दूसरी तरफ जिले के विकास गति को रफ्तार मिलेगी।

अधिवक्ता की मानहानि के मामले में सीओ बांदा को समन जारी

मऊ। मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट डॉ. केपी सिंह ने मानहानि के मामले में पुलिस उपाधीक्षक बांदा राजीव प्रताप सिंह को विचारण के लिए कोर्ट में तलब किया है। साथ ही उन्हें कोर्ट में उपस्थित होने के लिए समन जारी करते हुए हाजिरी के लिए 20 नवंबर की तिथि तय की है। मामला सरायलखंसी थाना क्षेत्र का है। बहरीपुर गांव निवासी अधिवक्ता संतोष कुमार सिंह ने सीजेएम कोर्ट में परिवाद दाखिल किया। इसमें पुलिस उपाधीक्षक राजीव प्रताप सिंह को आरोपी बनाया। परिवादी का कहना है कि वह सिविल कोर्ट मऊ में वकालत करता है। आरोपी पुलिस उपाधीक्षक राजीव प्रताप सिंह ने एक मई 2023 को दिन में 12रू30 बजे पुलिस कार्यालय के पास की फर्जी घटना दिखाकर उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई। इसमें राजीव प्रताप सिंह ने परिवादी को ठेकेदार होना लिखा है। यह भी लिखा कि परिवादी लगातार गलत दबाव बनाकर गलत काम कराना चाहता है। साथ ही समझौता के लिए 5 लाख रुपये की मांग की है। उल्लेख किया कि परिवादी मुख्तार अंसारी का आदमी है, उसके नाम पर गलत काम करता है। आरोप है कि राजीव प्रताप सिंह ने परिवादी संतोष कुमार सिंह की छवि खराब करने के उद्देश्य से 3 मई 23 को उक्त बातें समाचार पत्रों में छपवाईं। जिससे उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरी है तथा उसे मानसिक एवं शारीरिक क्षति हुई है। कोर्ट में परिवादी संतोष कुमार सिंह का बयान दर्ज कराया। साथ ही दो गवाह अनूप कुमार सिंह व उपेंद्र सिंह का बयान दर्ज किया गया।

काशी में दीपावली पर दिन में हल्की धूप, रात में रहेगी गुलाबी ठंड, पिछले साल ऐसा था मौसम

वाराणसी। दीपावली पर मौसम साफ रहेगा। दिन में हल्की धूप और रात में गुलाबी ठंड रहेगी। इसी तरह का मौसम पिछले छह साल से देखने को मिल रहा है। तापमान भी पिछले साल की तरह ही रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम 17 से 20 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इस सप्ताह चक्रवाती तूफान दाना की वजह से नम हवाओं के साथ बूंदाबांदी से मौसम का मिजाज बदल गया। शहरी और ग्रामीण इलाकों में सुबह हल्का कोहरा दिखने के साथ ही रात में सिहरन है। मंगलवार को दिन में धूप जरूर रही, लेकिन हवा में नमी की वजह से उसका असर कम रहा। यही कारण रहा कि रात में गुलाबी ठंड जैसा मौसम रहा। मंगलवार को अधिकतम तापमान 32.9 और न्यूनतम 22.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव का कहना है कि अधिकतम तापमान इस सप्ताह 32 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

बेसन, हल्दी, लड्डू और बूंदी के 10 नमूने लिए, 178 लीटर पॉम अश्वयल जब्त

मऊ। खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध जारी विशेष अभियान में जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से 10 नमूना लिया। साथ ही मिलावट के 24,920 रुपये मूल्य के 178 लीटर पॉम ऑयल को जब्त कर लिया। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने मधुबन, मऊ स्थित मिष्ठान प्रतिष्ठान रुद्रांश स्वीट्स से बेसन, बेसन का लड्डू, बूंदी तथा पामोलीन आयल का नमूना लेकर विक्रय के लिए भंडारित 24 हजार 920 रुपये रुपये मूल्य के लगभग 178 लीटर पामोलीन ऑयल को जब्त कर दिया गया। मिर्जाहादीपुरा, मऊ स्थित मजहर किराना स्टोर से हल्दी साबूत, हल्दी पाउडर, रंगीन कचरी तथा काली मिर्च का नमूना लिया। जहांगीराबाद स्थित श्रीमानजी फूड प्रोडक्ट्स से नमकीन, ब्रांड, दीवाना स्पेशल तथा नमकीन, ब्रांड श्रीमानजी का नमूना लिया। संग्रहित किए गए नमूनों को जांच के लिए राजकीय जन विश्लेषक प्रयोगशाला को भेज दिया गया। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद मिलावट सिद्ध पाए जाने पर संबंधित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध विधि क कार्यवाही की जाएगी। जांच दल में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह यादव, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित कुमार राना, विजय प्रकाश आदि शामिल रहे।

टेंडर की प्रक्रिया में उलझी पीडीडीयू नगर की पेयजल योजना

पीडीडीयू नगर। नगर की पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए 87.5 करोड़ रुपये की कार्ययोजना टेंडर की प्रक्रिया में उलझ गई है। स्टेट लेबल हाई पॉवर कमेटी से अनुमति मिलने के बावजूद अब तक काम शुरू नहीं हो सका है। जलनिगम, नगरीय ने पीडीडीयू नगर की पेयजल व्यवस्था के लिए 87.5 करोड़ रुपये की कार्ययोजना को तैयार की थी, जिससे स्टेट लेबल हाई पॉवर कमेटी से अनुमति मिल चुकी है लेकिन अभी तक टेंडर की प्रक्रिया पूरी नहीं कराई गई। योजना के तहत नगर को दो जाने में विभाजित किया गया है। जाना है लेकिन टेंडर न होने से कार्य अधर में लटके हुए हैं। अटल मिशन फार रिजूवनेशन एंड अरबन ट्रांसफारमेशन (अमृत) योजना के तहत नगर की पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए दो जोन बनाए गए हैं। इसके लिए दो फेज में साढ़े 87 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर आठ ओवरहेड टैंक के निर्माण समेत पाइप लाइन का विस्तार और ट्यूबवेल लगाने का काम होना है। साउथ जोन के अलीनगर व बिछड़ी वार्ड में पानी की टंकी व ट्यूबवेल के जरिए 5285 घरों में पेयजल पहुंचाने की योजना है। वहीं नार्थ जोन में महमूदपुर, पथरा भाग–एक व दो, कसाब महाल व चतुर्भुजपुर में पांच टंकियां बनाकर 147 किलोमीटर पाइप लाइन के जरिए 7114 घरों में घरों पानी पहुंचाया जाना है। इसके अलावा कैलाशपुरी मोहल्ले की क्षतिग्रस्त टंकी की मरम्मत कर उसे भी उपयोग में लाया जाना है। कार्ययोजना को स्टेट लेबल हाई पॉवर की अनुमति मिल गई है लेकिन टेंडर की प्रक्रिया पूरी न हो पाने के कारण कार्य अधर में लटके हैं। इससे नगर के लोगों को शुद्ध पेयजल नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में निर्माण खंड प्रथम, जलनिगम, नगरीय के अधिशासी अभियंता कमल सिंह ने बताया कि चंदौली नगर में योजना के कार्य पूरे करने के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। पीडीडीयू नगर में योजना के कार्य पूरे करने के लिए टेंडर की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर ली जाएगी।

निमंत्रण से वापस लौट रहे थे बाइक सवार, नहीं पता था रास्ते में चली जाएगी जान

मऊ। मऊ जिले के दोहरीघाट थाना क्षेत्र के गोठा बाईपास फोरलेन पर देर रात लगभग एक बजे अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। हादसे में दोनों युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

यह है मामला : जानकारी के अनुसार घोसी कोतवाली क्षेत्र के बहरामपुर निवासी श्रेयांष मिश्रा (21) पुत्र अरविंद मिश्रा सोमवार की रात हलधरपुर थाना क्षेत्र निवासी अजित यादव (20) के साथ दोहरीघाट थाना क्षेत्र के सियरहि गांव निमंत्रण में आया था। देर रात लगभग एक बजे निमंत्रण से दोनों वापस घर जा रहे थे। अभी दोनों गोठा बाईपास

फोरलेन पर ही पहुंचे थे कि गोरखपुर की तरफ से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क पर घायल पड़े देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दोहरीघाट थानाध यक्ष प्रमेंद्र कुमार सिंह ने दोनों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दोहरीघाट पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

बेकाबू ट्रेलर ने दुकान के सामने खड़े लोगों को रौंदा, दो की मौत, 2 गंभीर

चंदौली। जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पुरऊपुर गांव के पास अनियंत्रित ट्रेलर दूकान के सामने खड़े हुए लोगों को रौंदते हुए आगे निकल गई । हादसे में बर्तन की दूकान के सामने खरीददारी कर रहे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायल हो गए। दोनों घायलों को परिजनों ने प्रयागराज के स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती कराया है। धनतेरस के दिन हुए हादसे से परिवार में कोहराम मच गया।

बर्तन की खरीदारी कर रहे लोगों को ट्रेलर ने रौंदा

घटना बीती रात 11 बजे की है। पुरऊपुर के पास सड़क के किनारे भुसौला भीखपुर निवासी फूलचंद पटेल की बर्तन व हार्डवेयर की दूकान है। ध नतेरस की वजह से दूकानें देर रात तक खुली हुई थीं। इसी दरम्यान मुंगराबादशाहपुर से प्रयागराज की तरफ जा रही ट्रेलर पुरउपुर गांव के निकट अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे फूलचंद की दूकान के सामने मौजूद लोगों को रौंदते हुए आगे निकल गई। ये लोग हुए हादसा का शिकार

हादसे में सुभाष माली (35) निवासी कमालपुर व सूरज यादव (20) निवासी भुसौला भीखपुर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि भुसौला भीखपुर निवासी दूकानदार फूलचंद पटेल व सोनू यादव को भी गंभीर चोटें आईं। दोनों को प्रयागराज रेफर किया गया है। नाराज लोगों ने चालक व परिचालक को पीटा हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रेलर चालक और परिचालक को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। पुलिस किसी तरह से दोनों को भीड़ से बचाकर थाने ले आई। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने मुंगराबादशाहपुर थाने के पास सड़क जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस से लोगों की जमकर कहासुनी सुनी भी हुई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा। पुलिस बोली : इस बाबत थानाध्यक्ष संतोष पाठक ने बताया कि हादसे में दो लोगों की जान गई है।

हवालात से चोरी का आरोपी फरार, एसपी ने आरक्षी को किया निलंबित

नियामताबाद। मोबाइल चोरी का आरोपी मंगलवार को सुबह पुलिसकर्मी को चकमा देकर अलीनगर थाने के हवालात से फरार हो गया। इसकी जानकारी होते ही विभाग में खलबली मच गई। एसपी आदित्य लांग्हे ने लापरवाही बरतने वाले आरक्षी को तत्काल निलंबित कर मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है। वहीं, फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है। अलीनगर पुलिस ने सोमवार को ताराजीवनपुर निवासी संदीप जायसवाल को मोबाइल चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर थाने के हवालात में रखा था। मंगलवार को सुबह एक आरक्षी शौच के लिए उसे साथ लेकर गया। इसी दौरान सिपाही को चकमा देकर आरोपी फरार हो गया। आरक्षी ने तत्काल घटना की जानकारी थाने में दी। इसके बाद अधिकारियों को इसकी सूचना देने के साथ पुलिस टीम फरार चोर को ढूंढने में जुट गई। एसपी आदित्य लांग्हे ने बताया कि लापरवाही बरतने वाले आरक्षी राजाबाबू चौहान को निलंबित कर दिया गया है और मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, फरार आरोपी को पकड़ने के लिए टीम गठित की गई है।

कैनवास के विद्यार्थियों ने उकेरी आकर्षक रंगोली, दिखे आस्था के अलबेले रंग

बहराइच (यूएनएस)। जिले भर में मंगलवार को धनतेरस पर्व पर स्कूल और कॉलेजों में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने कैनवास पर दीपावली पर्व से जुड़े विभिन्न आकर्षक रंगोली बनाए। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सदर प्रतिमा सिंह के ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती सम्मुख आस्था के दीप जलाते ही दीपोत्सव की परंपरा जीवंत हुई। साथ ही सुख, समृद्धि की शुभकानाओं संग की और विद्यार्थियों को घातक पटाखों के प्रयोग न करने का शपथ दिलाई। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सुधा टेकड़ीवाल के आवाह्न पर शहर के मोहल्ला रणजीत सिंह शिक्षण संस्थान में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नर्सरी से लेकर कक्षा 10 तक विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। ईओ प्रमिता सिंह ने कहा कि दीपोत्सव पर्व मन के अंदर छिपी आसुरी शक्तियों को दूर करने और लोगों के प्रति आस्था के दीप जलाने का संदेश देता है। छोटे–छोटे–बच्चों की ओर से बनाई गई रंगोली न केवल आकर्षण का केंद्र रही बल्कि रंगोली का हर रंग अलबेला दिखा, जो विद्यार्थियों के समर्पण, संस्कार व अनुशासन का सीख देता दिखा। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले 75 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। चेयरमैन सुधा टेकड़ीवाल ने कहा कि धनतेरस जैसे पावन पर्व पर बच्चों को उपहार भेंट करना एक अलग तरह के सुख की अनुभूति करता है। सफाई निरीक्षक सुरेश गोविंद मिश्र, फहीम अहमद, अशोक कुमार सिंह, डॉ कौशल कुमार मिश्र, सफाई नायक राम प्रकाश, दुर्गेश शुक्ला, एसके शर्मा, अवधेश मिश्र, एलआर मौर्य, सुरेश चंद्र, सावित्री सिंह, बबिता तिवारी, श्वेता सिंह, ज्योत कश्यप, दीक्षा शर्मा, मिथिलेश कुमारी, अराधना मिश्रा मौजूद रहे।

187 प्रभारी को प्रधानाध्यापक पद का वेतन देने का निर्देश

बहराइच (यूएनएस)। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ– बहराइच के जिलाध्यक्ष आनन्द मोहन मिश्र ने बताया कि सगीर अंसारी जिला कोषाध्यक्ष के अनवरत प्रयास से जनपद के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को प्रधानाध्यापक पद का वेतन दिए जाने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के जस्टिस अब्दुल मुईन ने त्रिपुरारी दूबे और अन्य लोगों के याचिका संख्या 18228ध 2022 आदेश के निर्णय के तहत जनपद बहराइच की याचिका में निखिलेश कुमार और 186 शिक्षकों की याचिका में शामिल सभी याची प्रभारी प्रधानाध्यापकों को भी इंचार्ज के रूप में कार्य करने की तिथि से ही प्रधानाध्यापक का वेतन देने के लिए आदेश जारी किया है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कोषाध्यक्ष सगीर अंसारी ने कहा कि सभी इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को प्रधानाध्यापक पद का वेतन दिलाने के लिए महासंघ जिलाध्यक्ष आनन्द मोहन मिश्र की देखरेख में वह उच्च न्यायालय से लेकर विभाग तक लगातार संघर्षरत है, इससे पहले जनपद बहराइच में 114 इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को प्रधानाध्यापक पद का वेतन देने का आदेश इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने जारी किया था। उच्च न्यायालय के आदेश पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष पंकज कुमार वर्मा, जिला महामंत्री उमेश चंद्र त्रिपाठी,जिला संयुक्त महामंत्री विनोद कुमार त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष आशीष कुमार शुक्ल, अरुण कुमार अवस्थी, कुमार अभय।

कोर में राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन मुख्यालय परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर हमारे राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने और मजबूती देने की दृष्टि से स्मरणोंस्वरूप "राष्ट्रीय एकता दिवस" (National Unity Day) के रूप में मनाया जाता है। एस. एस. नेगी–मुख्य बिजली इंजी. (P–D)ध्कोर ने प्रातः 11 बजे कोर कार्यालय प्रांगण में राष्ट्रीय एकता दिवस पर एकता शपथ दिलायी। आर. एन. सिंह–प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, उपेंद्र कुमार–मुख्य बिजली इंजीनियर, कल्याण सिंह–उप महाप्रबन्धक उपस्थित रहे।

स्पेशल कैम्पेन 4.0 के अंतर्गत फोटो प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज। 30 अक्टूबर को उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के कार्मिक

विभाग द्वारा स्वच्छता और स्वच्छता को संस्थागत बनाने के प्रयासों को प्रदर्शित करते हुए एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें पहले और बाद की प्रगति को दर्शाया गया। अक्टूबर 2024 में एक महीने का अभियान चलाया गया, जिसका नेतृत्व विभिन्न क्षेत्रों में सभी डिवीजनों, कार्यशालाओं और क्षेत्रीय इकाइयों के इकाई प्रमुखों और क्षेत्रीय मुख्यालय स्तर पर संबंधित च्व्वे ने किया। विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण करने और उन्हें प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार देने के लिए मुख्यालय में तीनै ।ळ अधिकारियों की एक समिति नामित की गई। परिणाम इस प्रकार हैं– प्रथम पुरस्कार– कार्मिक विभाग द्वितीय– आरपीएफ और विद्युत विभाग संयुक्त रूप से तृतीय– सिविल और मैकेनिकल विभाग संयुक्त रूप से कर्मचारियों को प्रेरित करने और उन्हें राष्ट्रीय उद्देश्य के प्रति प्रेरित करने के लिए डिवीजनों में भी इसी तरह का अभ्यास किया।

एकता दौड़ एवं शपथ ग्रहण का आयोजन

प्रयागराज। देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर बुध ावार को पूर्वाह्न में महाप्रबंध ाक कार्यालय उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय प्रांगण में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रातः 7 बजकर 30 बजे रेल सुरक्षा बल एवं उत्तर मध्य रेलवे खेलकूद संघ के सदस्यों द्वारा एम.सुरेश, मुख्य सुरक्षा आयुक्त उत्तर मध्य रेलवे के नेतृत्व में एकता के लिए दौड़ का आयोजन किया गया। तदोपरांत प्रातः 11 बजे ए.के.सिन्हा, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर व प्रभारी अपर महाप्रबंधक, उमरे, प्रयागराज द्वारा इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को "राष्ट्रीय एकता दिवस" की शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी उपस्थित रहे।

मुट्ठीगंज चौराहे पर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में सुरसा के मुख में हनुमान जी के द्वारा प्रवेश की शानदार झांकी का एवं भंडारे का आयोजन किया।

उत्तर मध्य रेलवे

अनुबंध के आधार पर एक (02) होम्योपैथिक परामर्शदाता की नियुक्ति

केंद्रीय अस्पताल उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज एवं उप मंडल चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, कानपुर में अनुबंध के आधार पर दो (02) होम्योपैथिक परामर्शदाता की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, जो हमारी वेबसाइट https://ncr.indianrailways.gov.in < समाचार और घोषणा < भर्ती < नियुक्ति < अनुबंध होम्योपैथिक परामर्शदाता पर उपलब्ध शर्तों और नियमों पर आधारित हैं।

इच्छुक उम्मीदवार कार्मिक शाखा, डीआरएम कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के कल्याण अनुभाग में निर्धारित प्रोफार्मा में अपने आवेदन 10:00 बजे से 17:00 बजे तक जमा कर सकते हैं, आवेदन ई मेलः welfarencr2490@gmail.com पर ऑनलाइन भी भेजे जा सकते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि : 18.11.2024 है। 1885/24 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

मामू की आंखों से बरसा जेना की मौत का गम, बोले- इंसाफ के लिए बहन को भी नहीं गवाना चाहता

प्रयागराज। सेंट मैरीज स्कूल की नौवीं की छात्रा जेना हुसैन खान की मौत के नौ दिन बाद भी न पुलिस तिल भर आगे बढ़ सकी, न ही कॉलेज प्रशासन। परिजनों की चुप्पी इस कुहासे को और घना करती है। तहरीर क्यों नहीं दी...के जवाब में मामू टीपू मिर्जा फफककर बोले, भांजी को तो गंवा ही चुका हूं। न्याय के फेर में इकलौती बहन और भांजे को नहीं खोना चाहता। अबूबकरपुर मुहल्ले की गली में टीपू मिर्जा अपनी भांजी की मौत की दास्तां सुनाते वक्त कई बार फफक पड़े। जेना की नानी मुनीश फातिमा और छोटे मामू हंजला मिर्जा की भी आंखों से आंसुओं की लोर टपकती रही। मौत की खबर पाकर मुंबई से आए मामू सुसाइड नोट का अर्थ पूछते हैं... उसने ट्रॉमा पीयर शब्द का इस्तेमाल किया है, जो भयानक अहसास कराता है। 21 अक्तूबर को जेना ने अपने कमरे में फांसी लगा ली थी। तब,

इसी कमरे के दूसरे बेड पर उसका छोटा भाई सोया हुआ था, जबकि मां सूफिया रशीद जिम गई हुईं थीं। जेना ने सुसाइड नोट में अपनी मौत के लिए स्कूल प्रशासन को जिम्मेदार बताया था। यहां तक लिखा कि ऐसे स्कूल में ताला डलवा देना चाहिए। परिवारीजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही अबूबकरपुर कब्रिस्तान में दफना दिया था। धूमनगंज इंस्पेक्टर अमरनाथ राय ने भी बताया कि उन्हें सुसाइड की कोई जानकारी नहीं दी गई। इसी कारण घटनास्थल की जांच भी नहीं कर पाया। सुसाइड नोट में बेहद गंभीर आरोप होते हुए भी जेना के माता–पिता ने कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं, जेना के बड़े मामू टीपू मिर्जा बताते हैं कि घटना के दिन से ही बहन सूफिया गहरे सदमे में हैं। उन्हें नींद नहीं आ रही है। इसके लिए गोलियां और इंजेक्शन देने पड़ रहे हैं। दोनों की हालत देखकर उन्हें अपने घर ले आए हैं। सेंट मैरीज स्कूल की पुलिस से शिकायत क्यों नहीं की, इस पर टीपू मिर्जा कहते हैं, अभी परिवार संभाल रहा हूं। जेना अपने घर से लेकर ननिहाल तक इकलौती बेटी होने के नाते सबकी दुलारी थी। वह अपनी मां मुनीश फातिमा संग जेना की तस्वीर दिखाते हुए फफक पड़ते हैं। कहते हैं, जाने दीजिए। अब इस तकलीफ को आगे बढ़ाने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। जेना की मां सूफिया रशीद बेटी को खोने के बाद से गहरे सदमे में हैं। वह बार–बार विचलित हो जा रही हैं। टीपू मिर्जा बताते हैं कि बहन सूफिया रशीद अब ससुराल नहीं लौटना चाहतीं। उन्होंने फैसला किया है कि जिस घर में इकलौती बेटी को गंवा दिया, वहां वह दोबारा कदम नहीं रखना चाहती। लिहाजा, अब मायके में ही रहने का फैसला किया है। टीपू मिर्जा बताते हैं कि मिट्टी देने के दौरान सूफिया कब्रिस्तान में ही लेट जा रही थीं। कह रही थीं, मुझे भी जेना की कब्र के ही पास दफना दो। किसी तरह उन्हें संभाला गया। बेटी की मौत के नौ दिन बाद भी उसके अब्बू अरफत खान ने चुप्पी नहीं तोड़ी। मंगलवार को अमर उजाला की टीम ने उनसे मिलने की कोशिश की, लेकिन वह सामने नहीं आए। धूमनगंज पुलिस परिजनों से मिली थी, लेकिन उन्होंने कोई तहरीर नहीं दी है। शिकायत का इंतजार है, इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निगम ने प्लास्टिक मुक्त, हरित, स्वच्छ दिवाली मनाने की अपील की।

प्रयागराज। नगर निगम ने अपने प्रमुख बाजारों में इस दिवाली को स्वच्छ सुंदर और पर्यावरण संरक्षण के ध्यान में रखते हुए गाय के गोबर से न सिर्फ दिए बना रहा है बल्कि वोकल फॉर लोकल के तर्ज पर स्वयं सहायता समूह के महिलाओं की मदद से गाय के गोबर से बने उत्पादों को लोगो तक पहुंचा भी रहा है। सिविल लाइन के धरना स्थल बाजार में लगी दुकान वास्तव में स्वच्छ दिवाली शुभ दिवाली और प्लास्टिक मुक्त दिवाली के लिए आम जन मानस को जागरूक कर रही है। जो भी बाजार के गुजरता है वो इस पहल की सराहना करते हुए खरीददारी भी करता है।

रांची, बंगलूरु और पटना के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन, उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने जारी की समय सारिणी

प्रयागराज । दिवाली और छठ की भीड़ के लिए तीन और स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की गई है। इसका संचालन रांची से आनंद विहार, नई दिल्ली से पटना और बंगलूरु से बरौनी के बीच होगा। तीनों की समय सारिणी मंगलवार को जारी कर दी गई। एक, आठ और 15 नवंबर को रांची से आनंद विहार के लिए स्पेशल ट्रेन की रवानगी रात 11:55 बजे होगी। मूरी, बरकाकाना, टोरी, लातेहार, डाल्टनगंज, गढ़वा रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, पंडित दीन दयाल उपाध्याय रुकते हुए ट्रेन अगली दोपहर 3:20–3:30 बजे प्रयागराज और रात तीन बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। चार, 11 एवं 18 नवंबर को आनंद विहार से ट्रेन की रवागनी सुबह चार बजे होगी। ट्रेन दोपहर 1:20–1:25 बजे प्रयागराज और सुबह पांच बजे रांची पहुंचेगी। इसी तरह चार नवंबर की रात 9:15 बजे बंगलूरु से बरौनी के लिए ट्रेन रवाना होगी। ट्रेन छह नवंबर की सुबह 9:55–10:05 बजे छिवकी एवं रात आठ बजे बरौनी पहुंच जाएगी। बरौनी से रवागनी नौ नवंबर की सुबह 10 बजे होगी। रात 8रू40–8रू50 बजे ट्रेन छिवकी और 11 नवंबर की दोपहर 1रू30 बजे

बंगलूरु पहुंचेगी। वहीं, नई दिल्ली से पटना के लिए ट्रेन 30 अक्तूबर की सुबह 11रू30 बजे चलकर रात 10रू15–10रू20 बजे प्रयागराज एवं सुबह पांच बजे पटना पहुंचेगी। पटना से 31 अक्तूबर की सुबह आठ बजे स्पेशल ट्रेन रवाना होगी, जो दोपहर 3:15–3:25 बजे प्रयागराज एवं रात 1.20 बजे नई दिल्ली पहुंच जाएगी। प्रयागराज से सप्ताह में चार दिन नई दिल्ली एवं तीन दिन आनंद विहार जाने वाली हमसफर एक्सप्रेस का आवागमन अब प्लेटफॉर्म नंबर छह से ही होगा। बीते कुछ माह ट्रेन की रवानगी दिल्ली के लिए रात में प्लेटफॉर्म नंबर दो व आगमन प्लेटफॉर्म नंबर छह पर हो रहा था। फिलहाल नई व्यवस्था के तहत हमसफर अब दोनों ओर से ही यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर छह से ही मिलेगी। एनसीआर प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार से ही यह व्यवस्था लागू कर दी गई है। मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ के बाद उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने अपने सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर चौकसी बढ़ा दी है। भीड़ प्रबंधन का जायजा लेने के लिए मंगलवार को सीनियर डीसीएम प्रयागराज मंडल हिमांशु शुक्ला सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। उन्होंने दिवाली और छठ पर्व को लेकर किए गए इंतजामों को देखा। उन्होंने वहां निर्देश दिया कि यात्रियों को सुगमतापूर्वक ट्रेनों में बैठाया जाए। अगर भीड़ ज्यादा है तो यात्रियों की कतार लगवाई जाए। उन्होंने स्पेशल ट्रेनों का एनाउंसमेंट कराए जाने एवं ट्रेनों में खानपान की अतिरिक्त उपलब्धता कराए जाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा, सभी विभाग के कर्मचारी आपसी समन्वय बनाकर यात्रियों की हर संभव मदद करें।

पोंजी स्कीम में करोड़ों की ठगी मामले में केस दर्ज, पूर्व मेयर प्रत्याशी भी नामजद

प्रयागराज। रकम दोगुनी करने के नाम पर करोड़ों की ठगी के मामले में आखिरकार मंगलवार को एफआईआर दर्ज कर ली गई। शाहगंज पुलिस ने मामले में कंपनी संचालक सगे भाइयों समेत तीन को नामजद किया है। इनमें पूर्व मेयर प्रत्याशी का नाम भी शामिल है। एसीपी की जांच रिपोर्ट के आधार पर शाहगंज पुलिस ने कार्रवाई की। यह केस मनोहर दास की बगिया, गंगागंज, करेली निवासी अब्दुल शाहिद की तहरीर पर दर्ज किया गया है। उनका आरोप है कि 21 जून 2004 को उन्होंने हम्माम गली, सरायगढ़ी, शाहगंज निवासी प्री चार्ज पे कंपनी के संचालक मो. काशिफ (सनी) को चेक से 1.20 लाख रुपये दिए। इसके एवज में उसने कंपनी के लेटरपैड व व्हाट्सएप पर रकम प्राप्त करने की स्वीकृति दी। उसने प्रति माह 19,600 रुपये अगले 12 महीने तक देने की बात कही। इस तरह दो माह में उन्होंने 4.80 लाख रुपये चेक से दिए। तय तारीख पर रकम वापस नहीं मिलने पर काशिफ व उसके बड़े भाई आसिफ से 27 सितंबर को मिला तो उन्होंने 10–15 दिन में पूरे रुपये वापस करने का वादा किया। इसकी वॉइस रिकॉर्डिंग भी मौजूद रहे। बाद में आरोपियों ने मिलना और फोन उठाना बंद कर दिया। आरोप है कि वह कंपनी के संरक्षक कादिर भाई की नेहरू कॉम्प्लेक्स स्थित दुकान पर पहुंचे, जहां पहले से ही बड़ी संख्या अन्य बकायेदार अपना पैसा वापस मांग रहे थे। वादी ने तहरीर में यह भी आरोप लगाया है कि दोनों आरोपी भाइयों के साथ मिलकर कादिर भाई ने 24 सितंबर, 2022 को झलवा में व्यापारिक महोत्सव के नाम से बड़ा आयोजन कराया था। इसके बाद कादिर भाई और उनके भतीजे कंपनी संचालक काशिफ ने एंग्लो बंगाली ग्राउंड में 23 दिसंबर 2023 को व्यापारिक महोत्सव सीजन–दो आयोजित किया। कार्यक्रम से पूर्व कंपनी संचालकों के साथ कादिर भाई ने पत्रकार वार्ता भी की। शाहगंज प्रभारी विनय कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। मामले में पुलिस को छह दिनों में चार तहरीर मिल चुकी है। मो. हसीन निवासी शाहगंज, अब्दुल शाहिद निवासी मनोहर दास की बगिया, गंगागंज थाना करेली के अलावा करेली की ही गुलशमा बानो व एक अन्य ने तहरीर देकर रकम हड़पने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर इन तहरीरों को भी केस में सम्मिलित किया जाएगा।

मंत्री नंदी पर हमले का मामला : बयान के लिए पूर्व विधायक विजय मिश्रा समेत सभी आरोपी तलब

प्रयागराज। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता पर हमले के मामले में बुधवार को विशेष न्यायालय ने बयान दर्ज कराने के लिए ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्रा समेत सभी आरोपियों को तलब किया है। एमपी एमएलए की विशेष न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. दिनेश चंद्र शुक्ल के समक्ष मामले की सुनवाई चल रही है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सुशील वैश्य ने बताया कि आरोपियों के अधिवक्ताओं के मौजूदगी में इस मुकदमे के विवेचक एवं अभियोजन के सभी गवाहों का बयान शपथपूर्वक दर्ज कराया जा चुका है। बता दें कि 12 जुलाई 2010 को कोतवाली थाना क्षेत्र में नंदी की हत्या करने की कोशिश की गई थी। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस घटना में सुरक्षा गार्ड राकेश मालवीय, संजय सिंह, अनुज पांडेय, प्रीतम सिंह, श्याम बाबू व नंदी से मिलने आए पत्रकार विजय प्रताप सिंह आदि घायल हो गए थे। इलाज के दौरान विजय प्रताप सिंह एवं राकेश मालवीय की मृत्यु हो गई थी। इस मामले में भदोही के पूर्व विधायक विजय मिश्रा, चाका ब्लॉक के प्रमुख रहे दिलीप मिश्रा एवं राजेश पायलट सहित 15 अभियुक्त बनाए गए हैं।

पति–पत्नी के अंतरंग क्षणों की जांच करना अदालत का काम नहीं, तलाक मंजूरी का आदेश रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है जब तक क्रूरता की पराकाष्ठा पार न हो जाए तब तक अदालतें पति पत्नी के अंतरंग क्षणों की जांच नहीं कर सकती। उनके गोपनीय क्षणों का पता लगा कर फैसला देना अदालत का काम नहीं है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति डोनाडी रमेश की खंडपीठ ने तलाक की मंजूरी के खिलाफ दाखिल पत्नी की अपील स्वीकार कर ली। साथ ही पति पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। मामला फिरोजाबाद जिले का है। 1999 में विवाहित जोड़े के बीच महज 11 महीने में विवाद उत्पन्न हो गया। पति ने पारिवारिक न्यायालय में क्रूरता के आधार पर तलाक की अर्जी दाखिल की जो 2015 में मंजूर हुई। पत्नी ने इसके खिलाफ हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पत्नी के अधिवक्ता ने दलील दी कि विवाह विच्छेद के लिए हिंदू विवाह अधिनियम के अंतर्गत विवाह के एक वर्ष के भीतर पति की ओर से दाखिल अर्जी पोषणीय नहीं है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत शादी के एक साल के भीतर तलाक की याचिका की अनुमति नहीं है। क्योंकि, हिंदू विवाह को भंग करने की कार्रवाई का कारण विवाह के पहले वर्ष के भीतर तलाक की नौबत तब तक नहीं आ सकती, जब तक किसी भी पक्ष की ओर से क्रूरता की पराकाष्ठा पार न हो जाए। ऐसा होता है तो उस मामले में भी विशेष परिस्थितियों का जिक्र करते हुए विशिष्ट अर्जी दाखिल की जानी होगी। जबकि मौजूदा मामले में ऐसी कोई बात उजागर नहीं होती। कोर्ट ने पारिवारिक न्यायालय के अभिलेखों के अवलोकन में पाया कि पारिवारिक न्यायालय ने पत्नी की आपत्तियों को नजरंदाज करते हुए पत्नी के आचरण पर पति की ओर से लगाए गए आक्षेपों पर ही विचार किया था। कोर्ट ने पत्नी की अपील स्वीकार कर ली। पारिवारिक न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही पति की ओर से भरण पोषण की मद से पत्नी को अदा की गई ढाई लाख रुपये की धनराशि को ब्याज समेत लोग लौटने का भी आदेश दिया। वहीं, पत्नी को बेवजह मुकदमेबाजी में घसीटने के लिए पति पर पचास हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

राज्य षि सेवा मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन शुरू, आवेदन की अंतिम तिथि 11 नवंबर

प्रयागराज। सम्मिलित राज्य कृषि सेवा मुख्य परीक्षा–2024 के लिए आवेदन की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई है। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 11 नवंबर तक पूरी करनी है। इस दौरान अभ्यर्थियों को अपने आवेदन में एक बार संशोधन का मौका भी मिलेगा। आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि 18 नवंबर है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक हर्ष देव पांडेय के अनुसार अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरे गए आवेदन पत्र को मुद्रित करना है। आवेदन की मुद्रित कॉपी को सभी संलग्नकों (प्रत्येक वर्ष की अंक तालिकाओं और अन्य सभी दावों से संबंधित प्रमाणपत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियों) सहित एक लिफाफे में भरकर 18 नवंबर शाम पांच बजे तक या उससे पहले डाक के माध्यम से अथवा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आयोग के गेट नंबर–3 पर स्थित डाक अनुभाग के काउंटर पर उपलब्ध करना है। सम्मिलित राज्य कृषि सेवा मुख्य परीक्षा के लिए 2029 अभ्यर्थियों को आवेदन करने हैं।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062